बड़ी तैयारी यूजीसी जल्द लाएगी फैकल्टी भर्ती नियमन का ड्राफ्ट

विवि-कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती के नियम बदलेंगे

शिक्षक पात्रता के लिए स्टार्टअप आइडिया, पेंटेंट, उद्यमिता जैसे नए मानकों को भी जोड़ा जाएगा

अनिरुद्ध शर्मा | नई दिल्ली

देश में अब ग्रेजुएट डिग्रीधारी भी सीधे उच्च शिक्षण संस्थानों में बतौर फैकल्टी नियुक्त हो सकेंगे। बस शर्त ये है कि इनमें उद्यमिता, स्टार्टअप जैसे नए क्षेत्रों और उद्योग भागीदारी को लेकर जुनून हो। यदि ग्रेजुएशन, पीजी और पीएचडी के विषय अलग-अलग हैं तो उन्हें भी शिक्षक के रूप में भर्ती किया जा सकेगा। शोध पत्रों के प्रकाशन जैसे पारंपरिक मानकों के समानांतर उम्मीदवारों के स्टार्टअप आइडिया, उद्यमिता में योगदान, शोध व्यवसायीकरण, पेंटेंट और उद्योग भागादारी बनाने की क्षमता जैसे नए मानक जोड़े जाएंगे। दरअसल, यूजीसी विश्वविद्यालय और कॉलेजों में शिक्षक व अन्य अकादमिक स्टाफ की नियुक्ति की न्यूनतम योग्यता और मानक बरकरार रखने के 2018 के नियमन में बदलाव करने की तैयारी कर रहा है।

अभी चार वर्षीय ग्रेजुएशन या पीजी के साथ पीएचडी होना फैकल्टी भर्ती होने की न्यूनतम योग्यता है और रिसर्च पेपर की संख्या भर्ती को आसान बनाती है। मौजूदा नियमों के मुताबिक, उम्मीदवार की ग्रेजुएशन, पीजी और पीएचडी समान विषय में होनी चाहिए। अलग विषय होने पर भर्ती की अनुमति नहीं है। फैकल्टी को अपने प्रमोशन के लिए एपीआई (एकेडमिक परफॉर्मेंस इंडिकेटर) स्कोर को ज्यादा से ज्यादा बनाए रखना होता है। यूजीसी ने फैकल्टी भर्ती 2018 के नियमन की बीते छह महीनों में विस्तृत समीक्षा की है। उसी के आधार पर यह नया ड्राफ्ट तैयार किया गया है।

नई व्यवस्था; ग्रेजुएशन, पीजी, पीएचडी के विषय अलग हैं तो भी शिक्षक बन सकेंगे

यूजीसी चेयरमैन प्रो. एम. जगदेश कुमार ने बताया, अभी फैकल्टी नियुक्ति उन लोगों तक सीमित रहती है, जिन्होंने अपनी शैक्षिक प्रगति के दौरान एक ही विषय का अध्ययन किया है। जबकि उच्च शिक्षा संस्थानों को पीएचडी विषय के आधार पर फैकल्टी पदों पर (मल्टी डिसिप्लिनरी) उम्मीदवारों के चयन पर संकोच नहीं करना चाहिए, भले ही उनके स्नातक या स्नातकोत्तर अध्ययन अलग-अलग विषयों में हों। मौजूदा नियम इसकी मंजूरी नहीं देते।

प्रो. एम. जगदेश

मौजूदा व्यवस्था... शोध पर जरूरत से ज्यादा जोर, जो काबिल ग्रेजुएट तैयार करने में रोड़ा

- मौजूदा सिस्टम में शोध प्रकाशन पर बहुत ज्यादा जोर है। अक्सर संदिग्ध व गैर-प्रमाणित पत्रिकाओं में छपे प्रकाशन पेश किए जाते हैं, जिससे अपेक्षित नतीजे सामने नहीं आते हैं।
- एपीआई (एकेडमिक परफॉर्मेंस इंडिकेटर) स्कोर बढ़ाने में इतना जोर रहता है कि शिक्षक आमतौर पर अपने करिअर के दौरान भी अकादमिक शोध को उद्योग के लिए समाधान में बदलने के प्रति उदासीन रहते हैं। यह संकीर्ण सोच वाली व्यवस्था शिक्षकों को अनुसंधान, सामाजिक जुड़ाव, उद्योग भागीदारी में प्रभावी योगदान देने से रोकती है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थाओं को समाज व उद्योग के लिए जरूरी कौशल व दक्षताओं से संपन्न ग्रेजुएट तैयार करने में दिक्कत होती है।

जरूरी है... फैकल्टी में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हों

यूजीसी चेयरमैन ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-20 के नजरिए से देखें तो 2018 के नियमन काफी पुराने पड़ गए हैं। अभी स्टार्टअप व उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में श्रेष्ठता दर्शाने वालों को तुलनात्मक रूप से कमतर माना जाता है। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों को अपनी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाने और देश के विकास में योगदान देने के लिए अपने फैकल्टी स्टाफ में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को भर्ती करना होगा।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 12-11-2024

महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के वीसी ने किया मरूशक्ति इकाई का विजिट

बीकानेर | महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार के साथ सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की मरूशक्ति इकाई का विजिट किया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने मरूशक्ति उत्पादों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मरूशक्ति इकाई के उत्पादों की मांग देश विदेश में लगातार बढ़ रही है। एमएयूएटी वीसी डॉ. कर्नाटक ने मरूशक्ति इकाई के बाजरा बिस्किट, केक, खाखरा समेत विभिन्न उत्पादों की क्वालिटी बेहद अच्छी बताते हुए कहा कि मरूशक्ति इकाई के यूनिक उत्पाद बेहद स्वादिष्ट और सर्वश्रेष्ठ हैं। इनकी मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग भी जिस तरह से बिल्कुल साफ सुथरे तरीके से की जा रही है। इनकी मांग बढ़ना लाजमी है। उन्होने कहा कि वैसे भी देशभर में मिलिट्स उत्पादों की मांग बढ़ रही है। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मरूशक्ति इकाई में मिलेट्स से जो भी उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अनुसंधान निदेशक डॉ. मनमोहन सुंदरिया, कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. नीना सरीन समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

दैनिक भास्कर बीकानेर 11-11-2024

पश्चिमी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 12 नवंबर से

बीकानेर| पश्चिमी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता-2024 का आयोजन 12 से 15 नवंबर तक भोपाल सेज यूनिवर्सिटी में होगा। चार दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कृषि विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम रविवार को रवाना हुई। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वीएस आचार्य ने बताया कि पुरूष बैडमिंटन टीम में पांच खिलाड़ी शामिल हैं। जिसमें खिलाड़ी समन्वय सिंह, तोहिद खान, किशन चौहान और वैभव सैनी कृषि महाविद्यालय बीकानेर से और एक खिलाड़ी तरूण लिंबा कृषि महाविद्यालय श्रीगंगानगर से है।

पश्चिमी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की पुरुष बैडमिंटन टीम को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर। पश्चिमी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता-2024 हेतु स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की पुरुष बैडमिंटन टीम को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रविवार को यूनिवर्सिटी कैंपस से रवाना किया। कुलपति ने इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। वीसी सचिवालय के बाहर टीम को हरी झंडी दिखाने के दौरान छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया,छात्र कल्याण सह अधिष्ठाता एवं लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह, स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी.एस.आचार्य, श्री किशन सिंह, श्री गुरमेल सिंह समेत खिलाड़ी उपस्थित रहे। सह आचार्य डॉ वाई.के.सिंह टीम मैनेजर के रूप में खिलाड़ियों के साथ रहेंगे। निदेशक छात्र कल्याण डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि पुरूष बैडमिंटन टीम में पांच खिलाड़ी शामिल हैं। जिनमें से चार खिलाड़ी समन्वय सिंह, तोहिद खान, किशन चौहान और वैभव सैनी कृषि महाविद्यालय बीकानेर से और एक खिलाड़ी तरूण लिंबा कृषि महाविद्यालय श्रीगंगानगर से है। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी.एस. आचार्य ने बताया कि पश्चिमी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता अंतर्गत पुरूष बैडमिंटन मैचों का आयोजन 12 से 15 नवंबर को भोपाल सेज यूनिवर्सिटी में हो रहा है।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की पुरुष बैडमिंटन टीम को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

■ लोकमत , बीकानेर

पश्चिमी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता-2024 हेतु स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की पुरुष बैडमिंटन टीम को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रविवार को यूनिवर्सिटी कैंपस से रवाना किया। कुलपति ने इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। वीसी सचिवालय के बाहर टीम को हरी झंडी दिखाने के दौरान छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया,छात्र कल्याण सह अधिष्ठाता एवं लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह, स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी.एस.आचार्य, किशन सिंह, गुरमेल सिंह समेत खिलाड़ी उपस्थित रहे। सह आचार्य डॉ वाई.के.सिंह टीम मैनेजर के रूप में खिलाड़ियों के साथ रहेंगे। निदेशक छात्र कल्याण डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि पुरूष बैडमिंटन टीम में पांच खिलाड़ी शामिल हैं। जिनमें से चार खिलाड़ी समन्वय सिंह, तोहिद खान, किशन चौहान और वैभव सैनी कृषि महाविद्यालय बीकानेर से और एक खिलाड़ी तरूण लिंबा कृषि महाविद्यालय गंगानगर से है। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी.एस. आचार्य ने बताया कि पश्चिमी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता अंतर्गत पुरूष बैडमिंटन मैचों का आयोजन 12 से 15 नवंबर को भोपाल सेज यूनिवर्सिटी में हो रहा है।